डेयरी व्यवसाय को अपनाकर लाभान्वित हुए गोपालराम

पशुपालक का नाम	:	श्री गोपालराम
पिता का नाम	:	श्री माणकराम भुंवाल
उम्र	:	58 वर्ष
पता	:	सुरनाणा, लूणकरनसर (बीकानेर)
शिक्षा	:	5 वीं पास
मोबाईल नं.	:	9950536754, 9782434029

वर्तमान में जहां बेरोजगारी की समस्या ने विकराल रूप धारण कर रखा है। ऐसे पशुपालन व्यवसाय में स्वरोजगार के अवसर युवाओं के लिए अपार संभावनाएं लिए हुए हैं। गोपालन को अपनी आय का स्रोत बनाकर सफल हुए गोपालक गोपालराम ने नव युवकों के लिए एक बड़ी मिसाल पेश की है। गोपालराम भुंवाल बीकानेर जिले के लूणकरनसर तहसील के छोटे से कस्बे सुरनाणा गांव के निवासी हैं। गोपालराम ने पशुपालन व्यवसाय को वैज्ञानिक तरीके से करने की मन में सोच ली। इन्होंने लूणकरनसर तहसील में पशु विज्ञान केन्द्र के द्वारा समय–समय पर प्रशिक्षण में भाग लिया और ''आत्मा योजनांतर्गत'' प्रशिक्षण में भी भाग लिया। इस प्रशिक्षणों में भाग लेने पर कृमिनाशक दवा का उपयोग, खनिज लवण मिश्रण की उपयोगिता, टीकाकरण, ग्याभिन पशुओं की देखभल, नवजात बछड़े–बछड़ियों की देखभाल, भूसे को यूरिया उपचारित करने का ज्ञान संतुलित आहार आदि की जानकारी प्राप्त कर उससे अपनाया और एक सफल पशुपालक बने। वर्तमान में 3 हैक्टेयर सिंचित और 20 हैक्टेयर असिंचित खेती की जमीन के साथ इनके पास राठी व साहीवाल गायें हैं। 8 राठी, 14 साहीवाल और 10 वयस्क मादा पशु व उन्नत बछड़े–बछड़ियां भी हैं। इन्होंने पशु विज्ञान केन्द्र, लूणकरनसर से जानकारी लेकर नस्ल सुधार हेतु पशुधन अनुसंधान केन्द्र, कोडमदेसर से साहीवाल नस्ल का विशुद्ध नर खरीदा। वर्तमान में गोपालराम प्रतिदिन 150–160 लीटर दुग्ध उत्पादन करता है। उन्नत नस्ल की गायें तैयार करके विक्रय भी करते हैं। जिससे वार्षिक आय लगभग 7–8 लाख रूपय तक हो जाती है। गोपालराम एक जागरूक पशुपालक के रूप में युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बनकर आए हैं। गोपालराम का पुत्र ओमप्रकाश ने डेयरी फार्म का काम 3 राठी, 10 साहीवाल नस्ल की गाय से शुरू किया। आज उनके पास राठी और साहीवाल दोनों नस्लों की 20 गायें हैं। जो कि प्रतिदिन 80–90 लीटर दूध देती हैं। जिससे उनको प्रत्येक महीने 60,000 रूपए की आमदनी होती है।

मिश्रित खेती को अपनी आय का जरिया बनाया

पशुपालक का नाम	:	श्री कालूराम स्वामी
पिता का नाम	:	श्री रामेश्वरलाल
उम्र	:	35 वर्ष
पता	:	सहनीवाला, लूणकरनसर (बीकानेर)
शिक्षा	:	12वीं पास
मोबाईल नं.	:	9166298832

दो साल पूर्व अपनी 20 बीघा कृषि भूमि पर परंपरागत खेती करने वाले बीकानेर जिले के लूणकरनसर तहसील के गांव सहनीवाला निवासी कालूराम स्वामी को 20 बीघा जमीन से परंपरागत खेती से अच्छी आय नहीं हो पाती थी। बाद में उन्होंने दृढ़ निश्चय के साथ कृषि में विविधता एवं नवीन तकनीकों को अपनाकर आगे बढ़ना शुरू किया। 3 साल से समय–समय पर पशु विज्ञान केन्द्र, लूणकरनसर के संपर्क में रहकर अपनी खेती को मिश्रित और आधुनिक रूप दिया तथा पशुपालन को विशेष बढ़ावा दिया। वर्तमान में इनके पास 17 गायें व 1 भैंस है जिनसे प्रतिदिन 60 लीटर दूध प्राप्त हो जाता है। खेती में विविधता अपनाते हुए उन्होंने बागवानी फसलों के साथ सब्जी उत्पादन शुरू कर दिया। पशु विज्ञान केन्द्र पर समय–समय पर प्रशिक्षणों में भाग लिया। उन्होंने बताया कि पशुओं में समय पर टीकाकरण और मिनरल मिक्सचर की जानकारी लेने से मुझे काफी फायदा मिला। जिससे खेती और पशुपालन से कालूराम की वार्षिक आय लगभग 5–6 लाख रूपए हो गई है। वे अपनी इस खुशहाली का श्रेय पशु विज्ञान केन्द्र, लूणकरनसर को देते हैं।

चारे को उपचारित कर बढ़ाई चारे की गुणवत्ता

पशुपालक का नाम	:	श्री राजुदास
पिता का नाम	:	श्री रामेश्वरदास स्वामी
उम्र	:	41 वर्ष
पता	:	264 आरडी, लूणकरनसर (बीकानेर)
शिक्षा	:	8वीं पास
मोबाईल नं.	:	9772816873

बीकानेर जिले के लूणकरनसर तहसील के प्रगतिशील पशुपालक राजुदास स्वामी पशुपालन के साथ कृषि कार्यों के प्रति काफी सजग हैं। उनके पास 6 राठी गाय, 3 एच.एफ. गाय, 3 साहीवाल, 5 मुर्रा भैंस हैं। वर्तमान में लगभग 50 लीटर प्रतिदिन का दूध का उत्पादन ले रहे हैं। ये अपना दूध निजी डेयरी में देकर आय प्राप्त करते हैं। जिससे इनकी वार्षिक आय 4–5 लाख रुपये हो गई है। राजुदास स्वामी ने पशु विज्ञान केन्द्र, लूणकरनसर के द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण शिविरों में उन्नत पशुपालन तकनीकों जैसे संतुलित पशु आहार, खनिज लवण मिश्रण, कृमिनाशक दवा का उचित उपयोग, कृत्रिम गर्भाधान, यूरिया द्वारा चारे को उपचारित करना, साइलेज बनाना आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की। पशु विज्ञान केन्द्र में बताये अनुसार चारा उपचारित करके अपने पशुओं को खिलाने लग गए। यूरिया उपचारित करने से चारे की गुणवत्ता बढ़ने के साथ पशु शरीर में चारे की पाचकता बढ़ गई। पशु विज्ञान केन्द्र, लूणकरनसर के द्वारा उनके यहां अजोला इकाई स्थापित की गई है। राजुदास जी का कहना है कि इनके सफल पशुपालन एवं खेती में पशु विज्ञान केन्द्र, लूणकरनसर का महत्वपूर्ण योगदान है।

गौपालन से ताराचन्द की आय में हुई बढ़ोतरी

पशुपालक का नाम	:	श्री ताराचन्द
पिता का नाम	:	श्री रूपाराम
उम्र	:	47 वर्ष
पता	:	लूणकरनसर (बीकानेर)
शिक्षा	:	10वीं पास
मोबाईल नं.	:	6376128195

गांव लूणकरनसर तहसील जिला बीकानेर के निवासी ताराचन्द ने गौपालन को अपनी आय का स्रोत बनाकर सफलता प्राप्त की। कृषि में कम आमदनी के चलते, लूणकरनसर में पशु विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों ने उन्हें खेती के साथ–साथ पशुपालन करने की सलाह दी। उन्होंने पशु विज्ञान केन्द्र से पशुपालन संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त कर पशुपालन व्यवसाय को वैज्ञानिक तरीके से करने की सोची। ताराचन्द जी ने शुरूआत में डेयरी फार्म का काम 4 राठी तथा 2 मुर्रा भैंस से शुरू किया। आज उनके पास राठी और मुर्रा के 10 दुधारू पशु हैं, जो कि प्रतिदिन 70–80 लीटर दूध देती हैं। जिससे उनको प्रत्येक महीने 50000 रूपए की आमदनी होती है। ताराचन्द ने पशुपालन में नवीनतम तकनीक के अंतर्गत हरे चारे की अजोला इकाई स्थापित की और पशुओं के आहार के लिए पौष्टिक प्रोटीन युक्त हरा चारा प्राप्त किया।